

31-1-20 पत्रावली पेश हुई। वादी अनुपस्थित।  
 न्यायालय द्वारा न्यायालय समय में तीन  
 बार शक शक कर आवाज लगावा दिया  
 किन्तु वादी/पार्षी अपना उन्के अस्तित्व  
 अनुपस्थित रहे। जिससे पतीर होता है  
 कि पार्षी अपने पार्षना पत्र के घनी  
 गम्भीर नर्ये हैं तथा पुकरवा में  
 पैबरी नर्ये करना चाहते हैं।  
 अतः पैबरी के अभाव में तथा  
 पार्षी एवं उन्के अस्तित्व के अनुपस्थित  
 रहे हैं उन्के अस्तित्व हाजिर एवं हाजिर  
 पैबरी के शर्तों जिया जाता है।  
 पत्रावली में मर्यादा है।

उपखण्ड अधिकारी  
 बड़गाँव, जिला-बदयपुर

